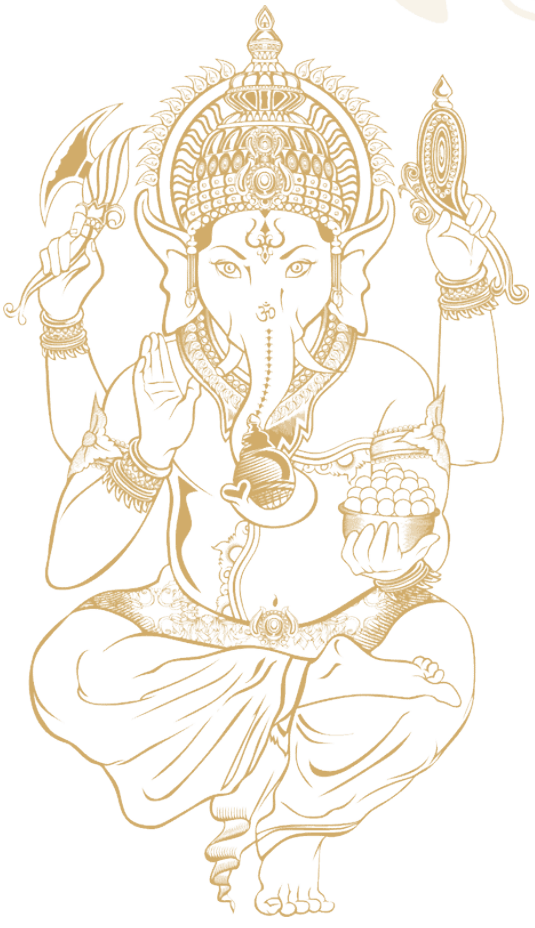

# Mr.Tushar bairagi

# Ms.Asmita vaishnav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119643403

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 17/06/1997 : | जन्म तिथि | : 08/08/1998 |
| मंगलवार : | दिन | : शनिवार |
| घंटे 10:10:00 : | जन्म समय | : 06:15:00 घंटे |
| घटी 11:13:37 : | जन्म समय(घटी) | : 00:39:01 घटी |
| India : | देश | : India |
| Dewas : | स्थान | : Bhilwara |
| 22:59:00 उत्तर : | अक्षांश | : 25:23:00 उत्तर |
| 76:03:00 पूर्व : | रेखांश | : 74:39:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:25:48 : | स्थानिक संस्कार | : -00:31:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 05:40:33 : | सूर्योदय | : 06:01:30 |
| 19:12:49 : | सूर्यास्त | : 19:12:09 |
| 23:49:15 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:50:08 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| राहु 3वर्ष 10मा 11दि | 01:08:03 | सिंह | लग्न | कर्क | 23:34:13 | चन्द्र 1वर्ष 11मा 22दि |
| शनि | 02:13:01 | मिथु | सूर्य | कर्क | 21:27:38 | गुरु |
| 29/04/2017 | 17:08:10 | तुला | चंद्र | मक | 20:41:43 | 31/07/2025 |
| 29/04/2036 | 05:15:08 | कन्या | मंगल | मिथु | 27:52:32 | 31/07/2041 |
| शनि 02/05/2020 | 21:54:01 | वृष | बुध व | सिंह | 01:46:17 | गुरु 18/09/2027 |
| बुध 10/01/2023 | 28:02:15 | मक व | गुरु व | मीन | 03:30:45 | शनि 31/03/2030 |
| केतु 19/02/2024 | 22:04:42 | मिथु | शुक्र | मिथु | 29:38:09 | बुध 06/07/2032 |
| शुक्र 20/04/2027 | 24:49:55 | मीन | शनि | मेष | 09:44:25 | केतु 12/06/2033 |
| सूर्य 01/04/2028 | 00:26:20 | कन्या व | राहु व | सिंह | 07:37:35 | शुक्र 11/02/2036 |
| चन्द्र 01/11/2029 | 00:26:20 | मीन व | केतु व | कुंभ | 07:37:35 | सूर्य 29/11/2036 |
| मंगल 11/12/2030 | 14:22:30 | मक व | हर्ष व | मक | 16:44:32 | चन्द्र 31/03/2038 |
| राहु 16/10/2033 | 05:36:14 | मक व | नेप व | मक | 06:31:51 | मंगल 07/03/2039 |
| गुरु 29/04/2036 | 09:48:18 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 11:28:45 | राहु 31/07/2041 |

**लग्न-चलित**

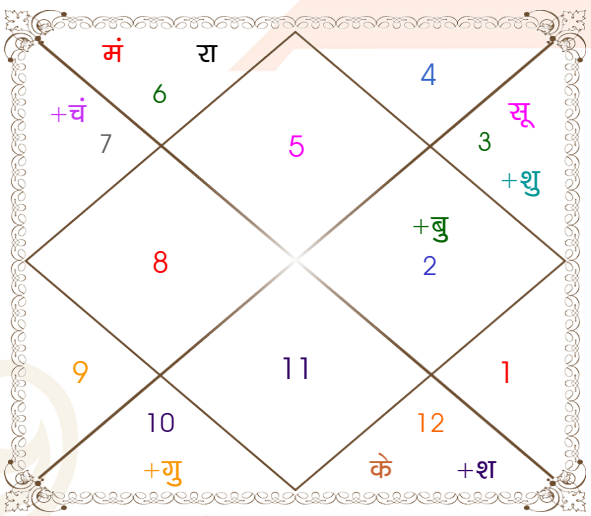


**लग्न-चलित**

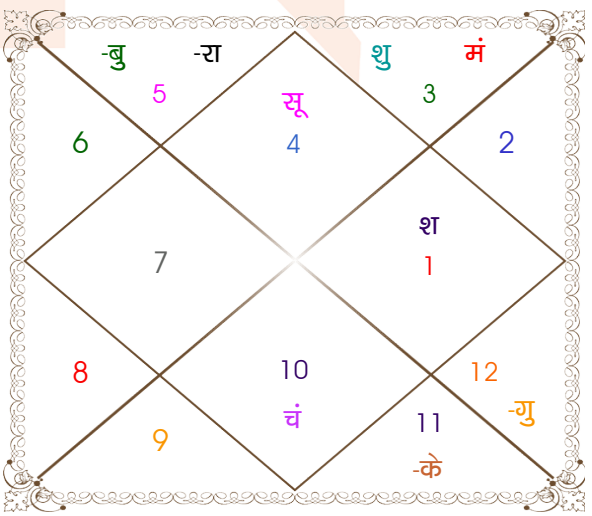

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | वैश्य | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | महिष | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | शनि | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | तुला | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्ज्नींत इंपतंहप का वर्ग सर्प है तथा डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ज्नींत इंपतंहप और डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण्ज्नींत इंपतंहप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्ज्नींत इंपतंहप तथा डेण्ेाउपजं अंपेीदंअ में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।